Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. मध्य सितंबर से दिसंबर तक कौन-सी ऋतु होती है?

(अ) शरद ऋतु
(ब) वर्षा ऋतु
(स) शीत ऋतु
(द) ग्रीष्म ऋतु

2. लौटता हुआ मानसून भारत के किस राज्य में वर्षा करता है?

(अ) हिमाचल प्रदेश
(ब) तमिलनाडु
(स) राजस्थान
(द) उत्तर प्रदेश

3. जेट प्रवाह की दक्षिणी शाखा की स्थिति क्या होती है?

(अ) 15° उत्तरी अक्षांश के ऊपर
(ब) 25° दक्षिणी अक्षांश के ऊपर
(स) 25° उत्तरी अक्षांश के ऊपर
(द) 35° उत्तरी अक्षांश के ऊपर

4. जब सूर्य दक्षिणी गोलार्द्ध में मकर रेखा पर सीधा चमकता है, तब निम्नलिखित में से क्या होता है?

(अ) उत्तरी-पश्चिमी भारत में तापमान कम होने के कारण उच्च वायुदाब विकसित हो जाता है।
(ब) उत्तरी-पश्चिमी भारत में तापमान बढ़ने के कारण निम्न वायुदाब विकसित हो जाता है।
(स) उत्तरी-पश्चिमी भारत में तापमान और वायुदाब में कोई परिवर्तन नहीं आता।
(द) उत्तरी-पश्चिमी भारत में झुलासा देने वाली तेज लू चलती है।

5. भारत के अति आर्द्र जलवायु वाले क्षेत्रों के नाम बताएँ-

(अ) कच्छ की खाड़ी
(ब) लद्दाख क्षेत्र
(स) तमिलनाडु के तटवर्ती भाग
(द) उत्तरी-पूर्वी भारत और पश्चिमी घाट

6. कोपेन के वर्गीकरण के अनुसार भारत में As प्रकार की जलवायु कहाँ पाई जाती है?

(अ) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में
(ब) असम व अरुणाचल प्रदेश में
(स) कोरोमंडल तट पर
(द) केरल और तटीय कर्नाटक में

7. कोपेन ने जलवायु का वर्गीकरण किन आधारों पर किया है?

(अ) अक्षांश और देशांतर के आधार पर
(ब) पवनों और वायुदाब के आधार पर
(स) स्थानीय मौसमी वातावरण के आधार पर
(द) तापमान और वर्षण के आधार पर

8. फूलों वाली बौछार से किन फसलों के फूल खिलने लगते हैं?

(अ) काजू
(ब) कहवा
(स) कपास
(द) जूट

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. **भारत में चक्रवात किन क्षेत्रों में आते हैं?**

(अ) उत्तरी मैदानी भागों में (ब) पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्रों

(स) पश्चिमी भारत में (द) पूर्वी तटवर्ती क्षेत्रों

10. **भारत में सबसे अधिक वर्षा होती है-**

(अ) गया में (ब) पूर्वी तट पर

(स) मॉसिनराम में (द) भाभर क्षेत्र में

रिक्त स्थान

11. भारत की जलवायु को मुख्यतः _____ जलवायु कहा जाता है।

12. ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली शुष्क एवं गर्म हवाओं को _____ कहते हैं।

सत्य/असत्य

13. भारत की जलवायु विषुवतीय प्रकार की है।

14. मानसूनी हवाएँ भारत में दक्षिण-पश्चिम दिशा से आती हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. वर्षा की परिवर्तिता की गणना के लिए किस सूत्र का उपयोग किया जाता है?

16. मानसून में 'विच्छेद' किसे कहते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. मानसून प्रस्फोट से आपका क्या अभिप्राय है? भारत में सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करने वाले स्थान का नाम लिखिए।

18. मानसूनी वर्षा की चार विशेषताएँ बताइए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. मानसून भारतीय लोगों के आर्थिक जीवन को कैसे प्रभावित करता है?

20. कोपेन के अनुसार भारत की जलवायु को कितने प्रदेशों में बाँटा जा सकता है? इन प्रदेशों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

HOTS

21. "भारतीय किसान के लिए मानसून जुआ है।" व्याख्या कीजिए।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

1. **(अ)**
उत्तरी गोलार्द्ध में शरद ऋतु की अवधि शरद विषुव (23 सितंबर) से लेकर शीत संक्रांति (22 दिसंबर) तक मानी जाती है। दक्षिण गोलार्द्ध में 21 मार्च (बसंत विषुव) से लेकर 21 जून (ग्रीष्म संक्रांति) तक शरद ऋतु होती है।

2. **(ब)**
भारत के तमिलनाडु राज्य में लौटते हुए मानसून से वर्षा होती है।

3. **(स)**
जेट प्रवाह की इस दक्षिणी शाखा की स्थिति फरवरी माह में लगभग 250 उत्तरी अक्षांश रेखा के ऊपर होती है।

4. **(अ)** उत्तरी-पश्चिमी भारत में तापमान कम होने के कारण उच्च वायुदाब विकसित हो जाता है।

5. **(द)**
भारत के अति आर्द्र जलवायु वाले क्षेत्रों के नाम :-
- उत्तरी-पूर्वी भारत और
- पश्चिमी घाट।

6. **(स)** कोरोमंडल तट पर

7. **(द)**
कोपेन ने जलवायु का वर्गीकरण तापमान और वर्षा के आधारों पर किया है। कोपेन जलवायु वर्गीकरण जलवायु आकलन के लिए प्रयोग किया जाने वाला सबसे अधिक प्रयोगनीय मौसम वर्गीकरण है।

8. **(ब)**
फूलों वाली बौछार से कहवा फसलों की फूलें खिलने लगती हैं। यह भारत की एक महत्वपूर्ण बागानी फसल है। इस फसल की उत्पत्ति अबीसीनिया में माना जाता है।

9. **(ब)**
भारत में चक्रवात पूर्वी तटवर्ती क्षेत्रों में आते हैं। भारत में अधिकांश चक्रवात विषुवत रेखा के निकट उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में आते हैं और यदा-कदा यह ठंडे क्षेत्रों में भी आ जाता है।

10. **(स)**
मेघालय में स्थित चेरापूंजी और मासिनराम में सबसे ज़्यादा बारिश होती है। चेरापूंजी में 1012 से.मी. तो मासिनराम में उससे अधिक 1221 से.मी. वर्षा होती है।

11. मानसूनी

12. लू

13. असत्य

14. सत्य

15. निम्नलिखित सूत्र की सहायता से वर्षा की परिवर्तिता का मान ज्ञात किया जाता है-
C = मानक विचलन / माध्य x 100
यहाँ C से तात्पर्य विचरण गुणांक से है। मानक विचलन ० (सिग्मा), (X-μ)2 के औसत मान का वर्गमूल है।

16. **मानसून में विच्छेद-** दक्षिणी-पश्चिमी मानसून काल में एक बार कुछ दिनों तक मानसूनी वर्षा होने के बाद एक या अधिक सप्ताहों तक यदि वर्षा न हो तो इसे मानसून का टूटना या विच्छेद कहा जाता है।

17. दक्षिण-पश्चिम मानसून की ऋतु में वर्षा अचानक शुरू हो जाती है। पहली बारिश का यह प्रभाव देखा जा सकता है कि तापमान में काफी गिरावट आ जाती है। प्रचंड गर्जन और बिजली की कड़क के साथ आर्द्रता भरी पवनों का अचानक चलना मानसून का प्रस्फोट कहलाता है। जून के पहले सप्ताह में कर्नाटक, गोवा, केरल और महाराष्ट्र के तटीय भागों में मानसून फट पड़ता है, जबकि देश के आंतरिक भागों में यह जुलाई के पहले सप्ताह तक हो पाता है। भारत में सबसे ज़्यादा वर्षा प्राप्त करने वाला स्थान मॉसिनराम है।

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

18. मानसूनी वर्षा की चार विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

i. मानसूनी वर्षा अनिश्चित होती है।

ii. भारत में मानसूनी वर्षा दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी पवनों से होती है जो समुद्र से स्थल की ओर चलती है। दक्षिण-पश्चिमी मानसून भारत के ठेठ दक्षिणी भाग में जून 1 को पहुंचता है।

iii. भारत में अधिकांश वर्षा अरब सागर से चलने वाली मानसूनी पवनों से होती है।

iv. मानसूनी वर्षा ग्रीष्म ऋतु में होती है।

v. मध्य जुलाई तक मानसून कश्मीर और देश के अन्य बचे हुए भागों में भी फैल जाता है, परंतु एक शिथिल धारा के रूप में ही क्योंकि तब तक उसकी सारी शक्ति और नमी चुक गई होती है।

19. मानसून भारतीय लोगों के आर्थिक जीवन को निम्नलिखित तरीके से प्रभावित करता है-

i. मानसून वह धुरी है, जिस पर समस्त भारत का जीवन-चक्र घूमता है, क्योंकि भारत की आधी आबादी से अधिक जनता का भरण-पोषण खेती पर निर्भर है, जो मुख्यत: दक्षिण-पश्चिमी मानसून पर आधारित है।

ii. हिमालयी प्रदेशों के अतिरिक्त शेष भारत में वर्ष भर यथेष्ट गर्मी रहती है, जिससे सारा साल खेती की जा सकती है।

iii. मानसून जलवायु की क्षेत्रीय विभिन्नता नाना प्रकार की फसलों को उगाने में सहायक है।

iv. वर्षा की परिवर्तनीयता देश के कुछ भागों में सूखा अथवा बाढ़ का कारण बनती है।

v. मानसून का अचानक प्रस्फोट देश के व्यापक क्षेत्रों में मृदा अपरदन की समस्या उत्पन्न कर देता है।

vi. मानसून भारतीय खेती की लाइफलाइन है, कि इस पर 2 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है तथा कम से कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा द्वारा ही प्राप्त होता है।

vii. लगभग 800 मिलियन लोग गांवों में निवास करते हैं और वे कृषि पर ही निर्भर हैं, जो कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 15% है। अगर मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

viii. सामान्य से ऊपर मानसून रहने पर कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में बढ़ोतरी होती है, जिससे ग्रामीण बाज़ारों में उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलता है।

20. कोपेन द्वारा किया गया विश्व जलवायु का वर्गीकरण सामान्यत: सरल व सबसे ज्यादा प्रभावी है। इनके द्वारा जलवायु को वार्षिक और मासिक तापमान और वर्षण के आधार पर बांटा गया है। वर्गीकरण का आधार, तापमान व वर्षण का मासिक व वार्षिक मान / स्थिति है। कोपेन ने पूरे विश्व के जलवायु को पांच भागों में बांटा है जो निम्नलिखित है :-

i. **उष्ण कटिबंधीय जलवायु-** उष्णकटिबंधीय आद्र जलवायु का विस्तार विषुवत रेखा के दोनों तरफ 15° से 25° अक्षांस के बीच है। इस जलवायु प्रदेश वाले भाग में पूरे साल प्रत्येक महीने का औसत तापमान 18°C से अधिक रहता है। वार्षिक वर्षा की मात्रा 1500 मिलीमीटर से अधिक रहती है।

ii. **शुष्क जलवायु -** यहाँ तापमान की तुलना में वर्षण बहुत कम होता है, इसलिए यह जलवायु शुष्क होती है। शुष्कता के कम होने पर अर्ध शुष्क मरुस्थल होता है, इसके विपरीत शुष्कता अधिक होने पर मरुस्थल का निर्माण होता है।

iii. **कोष्ण जलवायु-** यहाँ सबसे ठंडे महीने का औसत तापमान 18° सेंटीग्रेड और -3° सेंटीग्रेड के बीच रहता है।

iv. **हिम जलवायु-** यहाँ सबसे कोष्ण महीने का औसत तापमान 10° सेंटीग्रेड से अधिक और सबसे ठंडे महीने का औसत तापमान 30 सेंटीग्रेड से कम रहता है।

v. **बर्फ जलवायु-** यहाँ सबसे कोष्ण महीने का औसत तापमान 10° सेंटीग्रेड से कम रहता है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

21. कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी लेकिन मानसून का जुआ है। यह ऐसी विडम्बना है जिसे पचा पाना अब संभव नहीं है। इसलिए भारतीय कृषि के लिए वर्षा बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। देश की कृषि की संपन्नता बहुत कुछ समय पर होने वाली सुवितरित वर्षा पर निर्भर करती है। वर्षा की कमी से कृषि पर बड़ बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए प्रायः कहा जाता है कि भारतीय कृषि मानसून के साथ जुआ है। वर्षा के प्रादेशिक और सामयिक वितरण में बहुत अंतर पाया जाता है। भारत की 80 प्रतिशत से अधिक वार्षिक वर्षा जून से सितंबर तक के चार महीनों में ही हो जाती है। बाकी महीनों में वर्षा बहुत कम होती है। पिछले दो दशकों में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 3.5 लाख और सामान्य व्यवहारिक धारणा के अनुसार दस लाख किसानों ने आत्महत्या की है, एक औसत किसान परिवार की मासिक आय मात्र छः हजार रुपये है। दूसरी ओर हालात यह हैं कि पहले कहावत सूदखोरों के जमाने में यह थी "भारतीय किसान कर्ज में जन्म लेता है, कर्ज में पलता है और कर्ज में ही मरता है।" अब वह कहावत हो गई है, "भारतीय किसान कर्ज में जन्म लेता है, कर्ज में खेती करता है और अंततः आत्महत्या करता है।"

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES